ब्रिटिश कालीन भारतीय किसान आंदोलन

- किसान आंदोलन
- जनजाति आंदोलन
- अन्य
- 1857 की क्रांति

1885 के पहले

- मैसूर (1830)
- नील (1860)
- फड़के (1879)
- पाबना (1878)
- रंगपुर (1783)

1885 के बाद

- चंपारण (1917)
- खेड़ा (1918)
- अवध किसान सभा (1920)
- मोपला (1921)
- एका (1921-22)
- बारदोली (1928)
- अखिल भारतीय किसान सभा (1936)
- तेभागा (1946)
- वर्ली (1945)
- तेलंगाना (1946-51)

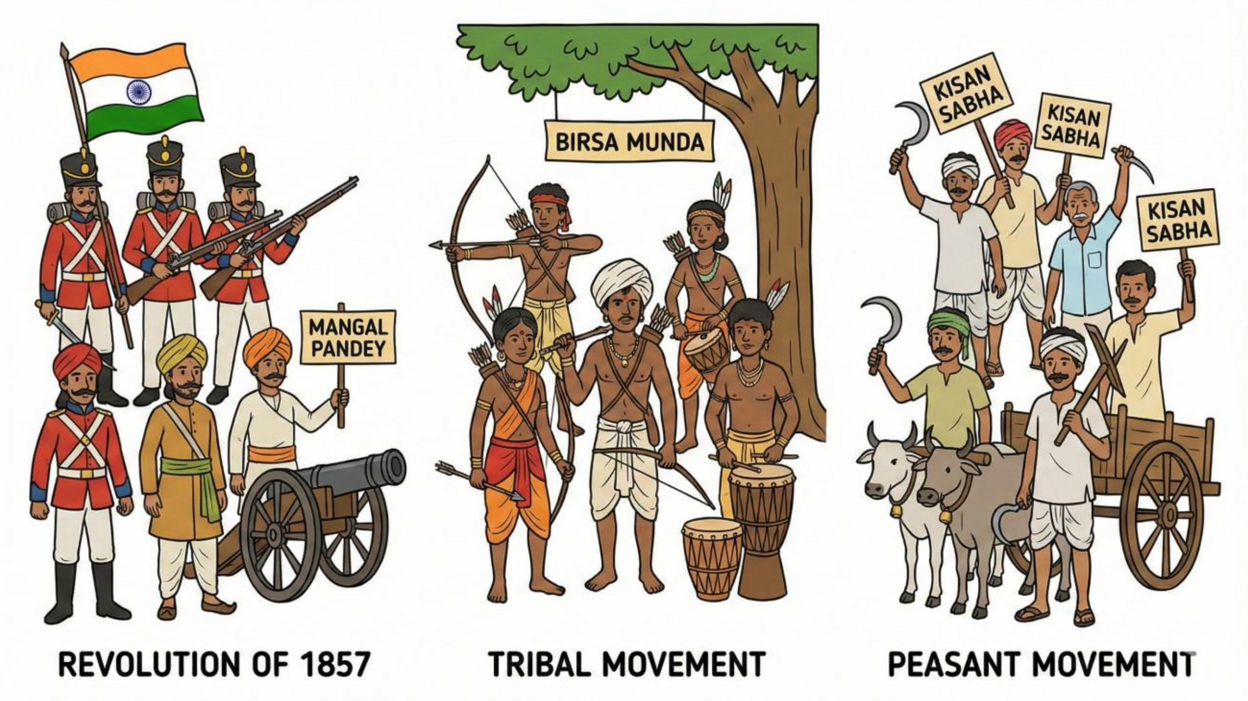

Peasant Movements in British India

- **Peasant Movement**
- **Tribal Movement**
- **Others**
- **Revolution of 1857**

Peasant Movement

Before 1885

- Mysore (1830)
- Indigo (1860)
- Phadke (1879)
- Pabna (1878)
- Rangpur (1783)

After 1885

- Champaran (1917)
- Kheda (1918)
- Moplah (1921)
- Awadh Kisan Sabha (1920)
- Eka (1921-22)
- Bardoli (1928)
- All India Kisan Sabha (1936)
- Tebhaga (1946)
- Warli (1945)
- Telangana (1946-51)

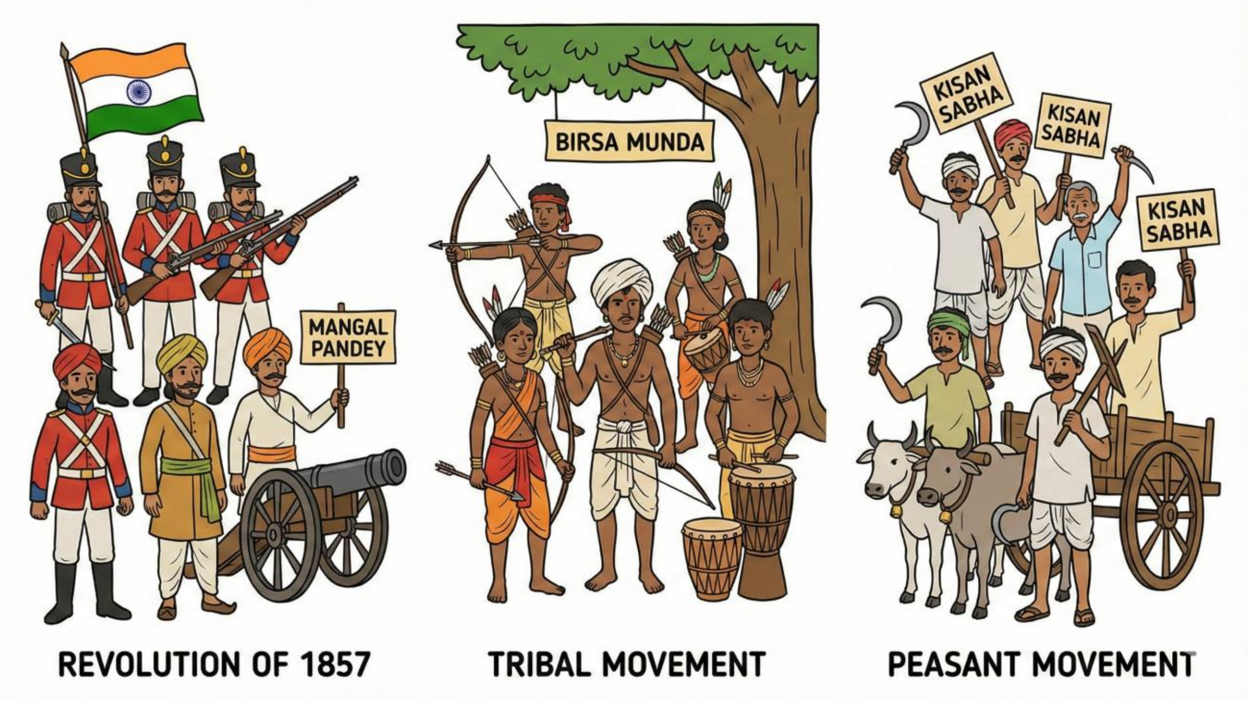

कारण

- **शोषणकारी भूराजस्व नीतियां**
  - स्थायी बंदोबस्त
  - रैयतवाड़ी
  - महालवाडी
- जमीदारों व महाजनो द्वारा शोषण
- झूम जैसी पारंपरिक कृषि पर रोक ।
- सामूहिक कृषि पर प्रतिबंध
- प्रथम विश्व युद्ध + रूसी क्रांति (1917) + आर्थिक महामंदी(1929)
- **अन्य**
  - नील दर्पण —— दीनबंधु मित्र
  - हिंदू पैट्रियाट —— हरिश्चंद्र मुखर्जी
  - अकाल

Causes

- **Exploitative land revenue policies**
  - Permanent Settlement
  - Ryotwari
  - Mahalwari
- Exploitation by landlords and moneylenders
- Prohibition on traditional agriculture such as Jhum cultivation.
- Ban on collective farming
- First World War + Russian Revolution (1917) + Great Depression (1929)
- **Others**
  - Neel Darpan — Dinabandhu Mitra
  - Hindu Patriot — Harishchandra Mukherjee
  - Famine

मुख्य कृषक आंदोलन

1) 1857 के पूर्व

- रंगपुर, 1783
- पागलपंथी,

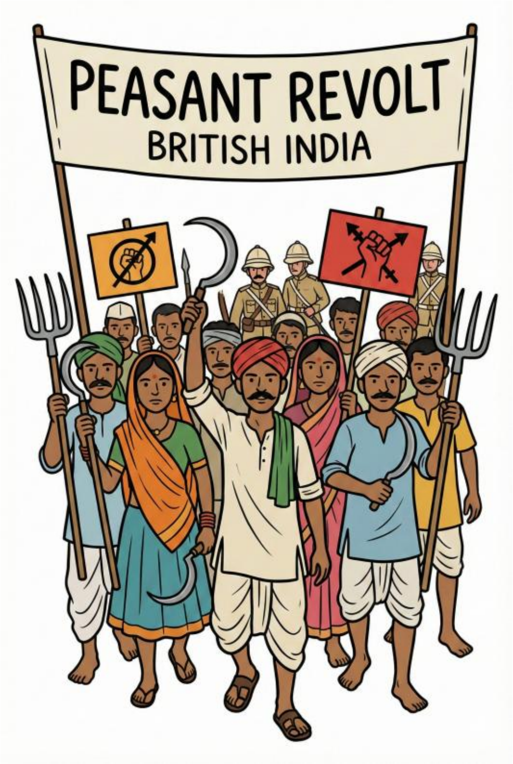

2) 1857 से 1900

- नील विद्रोह (1859 -60)
- पाबना विद्रोह (1873- 1876)
- दक्कन विद्रोह, 1875
- फड़के, 1879
- दिरांग, 1893

3) 1900 से 1947

- पाइक, 1904
- चंपारण सत्याग्रह. 1917
- खेड़ा सत्याग्रह, 1918
- मालाबार मोपला विद्रोह, 1921
- संयुक्त प्रांत किसान आंदोलन, 1919-22
- एका आंदोलन, 1921 -22
- बारदोली सत्याग्रह, 1928
- वर्ली आंदोलन, 1945
- तेभागा आंदोलन, 1946
- तेलंगाना आंदोलन, 1946 - 51

Major Peasant Movements

Before 1857

1. Rangpur, 1783
2. The Pagalpanthi 1824

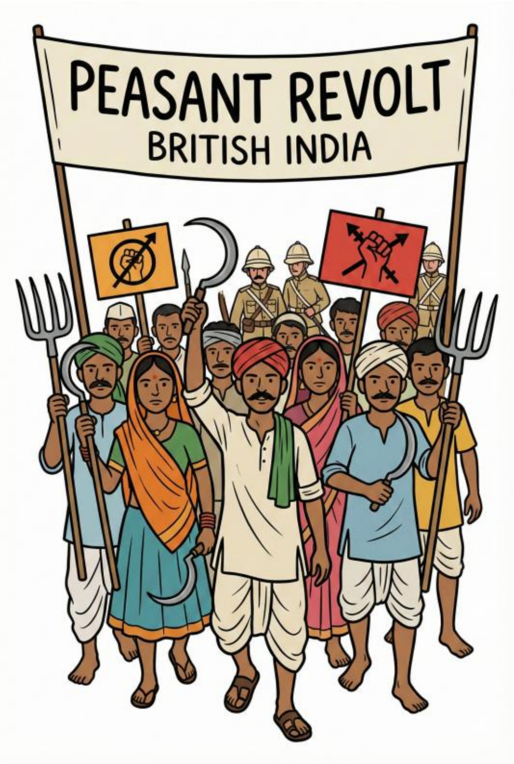

Between 1857 to 1900

1. Nile Rebellion, 1859 -60
2. Pabna Rebellion, 1873-1876
3. Deccan Rebellion, 1875
4. Phadke, 1879
5. Dirang, 1893

Between 1900 to 1947

1. Pike, 1904
2. Champaran Satyagraha. 1917
3. Kheda Satyagraha, 1918
4. Malabar Moplah Rebellion, 1921
5. United Provinces Peasant Movement, 1919-22
6. Eka Movement, 1921 -22
7. Bardoli Satyagraha, 1928
8. Worli Movement, 1945
9. Tebhaga Movement, 1946
10. Telangana Movement, 1946 - 51

आंदोलन	क्षेत्र	नेतृत्व	प्रमुख तथ्य
रंगपुर आंदोलन (1783)	बांग्लादेश	धीरज नारायण	○ जमीदार देवी सिंह के विरुद्ध
पागल पंथी विद्रोह (1824-1850)	गारो पहाड़ियाँ – बंगाल प्रेसीडेंसी	करमशाह का पुत्र टीपू मीर	○ ब्रिटिश भू-राजस्व व्यवस्था व जमीदारों के विरुद्ध ○ पागल पंथी एक अर्ध-धार्मिक समुदाय

Movement	Region	Leadership	Key Facts
Rangpur Movement (1783)	Bangladesh	Dhiraj Narayan	○ Against Zamindar Devi Singh
Pagal Panthis Rebellion (1824-1850)	Garo Hills - Bengal Presidency	Tipu Mir, son of Karamshah	○ Against British land revenue system and zamindars ○ Pagal Panthis were a semi-religious community

नील विद्रोह (1859-1860) = 1857 की क्रांति के पश्चात प्रथम संगठित विद्रोह	बंगाल (लॉर्ड कैनिंग)	दिगम्बर विश्वास, विष्णु विश्वास व रफीक मंडल = "नील नइ, धान बोइ" (नील नहीं, धान बोएँगे)।	○ क्षेत्र : नदिया, जेसोर, फरिदपुर, खुलना, राजशाही, पाबना, बर्दवान ○ कारण :- ब्रिटिश अशिकारियों जबरन नील की खेती + रासायनिक नील ○ परिणाम :- 31 मार्च 1860 को W. S. सीटोनकर की अध्यक्षता में नील आयोग– किसान को नील की खेती हेतु बाध्य नहीं किया जाएगा ○ दिनबंधु मित्र : प्रसिद्ध नाटक "नील-दर्पण" ○ हरिश्चंद्र मुखर्जी : 'हिंदू पैट्रियट' नामक साप्ताहिक समाचार ○ ईश्वर चंद्र विद्यासागर : सोमप्रकाश नामक साप्ताहिक बांग्ला समाचार
Indigo Revolt (1859-1860) = First organized rebellion following the Revolution of 1857	Bengal (Lord Canning)	Digambar Biswas, Bishnu Biswas and Rafique Mondal = "Nil Nai, Dhan Boi" (No Indigo, Will Sow Paddy)	○ Nadia, Jessore, Faridpur, Khulna, Rajshahi, Pabna, Bardhaman ○ British forced indigo cultivation + invention of chemical indigo ○ Result: On 31st March 1860, Indigo Commission under the chairmanship of W.S. Seton-Karr -- peasants would not be compelled to cultivate indigo ○ Dinabandhu Mitra: Famous play "Nil-Darpan" ○ Harishchandra Mukherjee: 'Hindu Patriot' ○ Ishwar Chandra Vidyasagar: Somprakash

आंदोलन	क्षेत्र	नेतृत्व	प्रमुख तथ्य
पाबना विद्रोह (1873–1876) = अहिसंक व रचनात्मक	युसूफ शाही, बंगाल (लॉर्ड नॉर्थब्रुक)	ईशानचन्द्र राय, शंभूपाल, खोदी मल्लाह : किसान संघ	○ जमीदारों के विरुद्ध ना कि अंग्रेजों के – "हम महारानी और सिर्फ महारानी की रैय्यत होना चाहते हैं" ○ जमींदार दर्पण (नाटक) - मुशर्रफ हुसैन ○ 1885 में बंगाल काश्तकारी अधिनियम पारित ○ सुरेंद्रनाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस : इंडियन एसोसिएशन का समर्थन

Movement	Region	Leadership	Key Facts
Pabna Revolt (1873–1876) = Non-violent and constructive	Yusuf Shahi, Bengal (Lord Northbrook)	Ishanchandra Roy, Shambhupal, Khodi Mallah: Peasant Union	○ Against zamindars, not the British -- "We want to be subjects of the Queen and only the Queen" ○ Zamindar Darpan (Play) - Mushraff Hussain ○ Bengal Tenancy Act passed in 1885 ○ Surendranath Banerjee and Ananda Mohan Bose: Support of Indian Association

दक्कन विद्रोह या दंगे (1875)	बम्बई प्रेसिडेंसी	-	○ कारण = महाजनों द्वारा शोषण - 1864 में अमेरिकी गृह युद्ध समाप्ति के पश्चात कपास की कीमतों में भारी गिरावट ○ 1879 में दक्कन कृषक राहत act : साहूकारों द्वारा भूमि कब्ज़े पर रोक
Deccan Revolt or Riots (1875)	Bombay Presidency	-	○ Cause = Exploitation by moneylenders - Heavy fall in cotton prices after the end of American Civil War in 1864 ○ Deccan Agriculturists Relief Act in 1879: Ban on land seizure by moneylenders

दिरांग आंदोलन (1893-94)	असम	-	○ कामरूप व दिरांग क्षेत्रों में भू राजस्व दरों में 50 से 70% की वृद्धि ○ अन्य नाम = पथरूघाट विद्रोह ○ 'रायज मेला': कर वृद्धि के विरोध में किसानों ने 'रायज मेला' नामक शांतिपूर्ण जन सम्मेलन आयोजित किए।

Dirang Movement (1893-94)	Assam	-	○ 50 to 70% increase in land revenue rates in Kamrup and Dirang regions ○ Other name = Patharughat Revolt ○ 'Raiz Mela': Peasants organized peaceful public gatherings called 'Raiz Mela' in protest against tax increases.

चंपारण सत्याग्रह (19 अप्रैल 1917)	बिहार = लॉर्ड चेम्सफ़ोर्ड	महात्मा गांधी	○ कारण = नील की खेती के लिए तीन कठिया / तिनकठिया प्रथा ○ 1916 के लखनऊ अधिवेशन में राजकुमार शुक्ल ने गांधीजी से निवेदन किया ○ बृजकिशोर, सी एफ एंड्रूज, अनुग्रह नारायण सिन्हा, राजकिशोर प्रसाद, H. S. पोलाक, राजेन्द्र प्रसाद, महादेव देसाई, नरहरि पारिख, जे बी कृपलानी ○ रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा गांधी जी को महात्मा की उपाधि ○ एन जी रंगा द्वारा गांधी जी का विरोध ○ 10 जून 1917 = चंपारण जांच समिति (1917) – एफ. जी. स्लाइड ○ 4 मार्च, 1918 = चंपारण एग्रीकल्चरल एक्ट - नील की जबरन खेती का अंत ○ यूरोपीय बागान मालिक अवैध वसूली का 25% हिस्सा किसानों को लौटा दे

"डुंगळी चोर" (प्याज चोर) यह निकनेम महात्मा गांधी ने मोहनलाल पांड्या को दिया था, क्योंकि उन्होंने ब्रिटिश सरकार द्वारा ज़ब्त की गई ज़मीन से प्याज की फसल काटी थी,

Champaran Satyagraha (19th April 1917)	Bihar = Lord Chelmsford	Mahatma Gandhi	○ Cause = Tinkathia system for indigo cultivation ○ Rajkumar Shukla requested Gandhiji at the 1916 Lucknow Session ○ Brajkishore, C.F. Andrews, Anugrah Narayan Sinha, Rajkishore Prasad, H.S. Polak, Rajendra Prasad, Mahadev Desai, Narhari Parikh, J.B. Kripalani ○ Rabindranath Tagore conferred the title of Mahatma on Gandhiji ○ Opposition to Gandhiji by N.G. Ranga ○ 10th June 1917 = Champaran Inquiry Committee (1917) -- F.G. Slayde ○ 4th March, 1918 = Champaran Agrarian Act - End of forced indigo cultivation ○ European planters to return 25% of illegal collections to peasants

"Dungli Chor" (Onion Thief) was a nickname given by Mahatma Gandhi to Mohanlal Pandya for harvesting onions from land confiscated by the British government

खेड़ा सत्याग्रह (22 मार्च 1918)	खेड़ा (गुजरात) = लॉर्ड चेम्सफ़ोर्ड	महात्मा गांधी	○ सरदार पटेल, इंदुलाल याग्निक, मोहनलाल पांड्या, विट्ठल भाई पटेल ○ 1917-18 में अकाल : ब्रिटिश कानून के अनुसार फसल 25% से अधिक खराब होने पर किसान कर माफी के पात्र थे = कुनबी-पाटीदार किसानों ○ जुलाई 1918 : गांधी जी द्वारा सत्याग्रह के तहत कर ना देने की मांग के कारण ब्रिटिश सरकार का आदेश कि लगान सिर्फ सक्षम लोगों से लिया जाए

Kheda Satyagraha (22nd March 1918)	Kheda (Gujarat) = Lord Chelmsford	Mahatma Gandhi	○ Sardar Patel, Indulal Yagnik, Mohanlal Pandya, Vithalbhai Patel ○ Famine in 1917-18: According to British law, peasants were eligible for tax remission if crops failed by more than 25% = Kunbi-Patidar peasants ○ July 1918: British government's order to collect revenue only from those capable, due to Gandhiji's demand for non-payment of taxes under Satyagraha

मालाबार का मोपला विद्रोह (1921)	केरल = लॉर्ड चेम्सफ़ोर्ड	अली मुसलियार, कुंजहम्मद हाजी	○ मोपला :- मालाबार तट पर निवास करने वाले अरब मूल के मुस्लिम किसान ○ कारण - लगान की उच्च दरें, जमीदारों ब्रिटिश राज की शोषण कारी नीतियां ○ अंग्रेजों द्वारा तिरुरांगड़ी मस्जिद में छापे के बाद हिंसात्मक स्वरूप ○ वागोन त्रासदी (19 नवंबर 1921) = तिरुर से पोडनूर से कोयंबटूर की मालगाड़ी ट्रेन में 67 कैदियों की दम घुटने से मौत हो गई। ○ 2500 से अधिक मोपलाओं की हत्या करने अंग्रेजों द्वारा विद्रोह का दमन
Malabar Moplah Rebellion (1921)	Kerala = Lord Chelmsford	Ali Musliyar, Kunhammad Haji	○ Moplah: Muslim peasants of Arab origin residing on the Malabar coast ○ Causes - High rent rates, exploitative policies of zamindars and British Raj ○ Violent turn after British raid on Tirurangadi Mosque ○ Wagon Tragedy (19th November 1921) = 67 prisoners died of suffocation in a goods train from Tirur to Podanur to Coimbatore. ○ Suppression of the rebellion by the British, killing more than 2500 Moplahs

संयुक्त प्रान्त किसान सभा (1918 - इन्द्र नारायण द्विवेदी)	संयुक्त प्रान्त	अवध किसान सभा (1920 - बाबा रामचन्द्र)	○ बाबा रामचंद्र (फिजी के गिरमिटिया मजदूर), जवाहरलाल नेहरू, मदनमोहन मालवीय, गौरी शंकर मित्र, दुर्गा पाल सिंह, झिंगुरी पाल सिंह आदि ○ संयुक्त प्रान्त किसान सभा (1918, इलाहाबाद) : गोरीशंकर मिश्र, इन्द्र नारायण द्विवेदी, पं. मदन मोहन मालवीय ○ 1919 में झींगुरीपाल सिंह व दुर्गापाल सिंह द्वारा प्रतापगढ़ के जमीदारों का सामाजिक बहिष्कार (नाई-धोबी बंद) ○ 1929 = स्वामी सहजानंद सरस्वती द्वारा बिहार प्रांतीय किसान सभा ○ 1931 = एन.जी. रंगा द्वारा आंध्र प्रांतीय रैयत सभा

United Provinces Kisan Sabha (1918 - Indra Narayan Dwivedi)	United Provinces	Awadh Kisan Sabha (1920 - Baba Ramchandra)	○ Baba Ramchandra (indentured laborer from Fiji), Jawaharlal Nehru, Madan Mohan Malaviya, Gauri Shankar Misra, Durga Pal Singh, Jhinguri Pal Singh, etc. ○ United Provinces Kisan Sabha (1918, Allahabad): Gauri Shankar Misra, Indra Narayan Dwivedi, Pt. Madan Mohan Malaviya ○ Social boycott of Pratapgarh zamindars by Jhinguripal Singh and Durgapal Singh in 1919 (barber-washerman boycott) ○ 1929 = Bihar Provincial Kisan Sabha by Swami Sahajanand Saraswati ○ 1931 = Andhra Provincial Ryots Sabha by N.G. Ranga

एका आंदोलन (1921-22)	उत्तर प्रदेश	मदारी पासी	○ गिरफ्तारियाँ, सशस्त्र पुलिस, दमनात्मक क़दम ○ 1926 में आगरा काश्तकारी अधिनियम और 1939 में संयुक्त प्रांत काश्तकारी अधिनियम

Eka Movement (1921-22)	Uttar Pradesh	Madari Pasi	○ Arrests, armed police, repressive measures ○ Agra Tenancy Act in 1926 and United Provinces Tenancy Act in 1939

बारदोली सत्याग्रह (1928) न्यू स्टेटमैन (लंदन) = इस आंदोलन के दूरगामी परिणाम होंगे KM मुंशी व लालजी नारंगी = बम्बई विधान परिषद की सदस्यता से त्यागपत्र The story of Bardoli = Mahadev Desai	बारदोली, सूरत, गुजरात = लॉर्ड इरविन	सरदार वल्लभ भाई पटेल	○ सहयोगी :- महात्मा गांधी, मेहता बन्धु (कल्याण जी व कुंवर जी), दयालजी देशाई, केशवजी गणेश, नरहरि पारीख, जगतराम दवे ○ कस्तूरबा गांधी, मीठू बेन, भक्तिबा, मनीबेन पटेल, शारदाबेन शाह, शारदा मेहता ○ सूरत की कालिपराज जनजाति (गांधी जी द्वारा नाम परिवर्तन - रानीपराज) में प्रचलित हाली पद्धति (बंधुआ मजदूर) ○ कपास की कम कीमत के बाद भी 30% लगान वृद्धि ○ ब्रुमफील्ड और मैक्सवेल समिति = भूराजस्व दर को घटाकर 6.03% कर दिया ○ गांधी जी व बारदौली की महिला = वल्लभ भाई पटेल को सरदार की उपाधि

Bardoli Satyagraha (1928) New Statesman (London) = This movement will have far-reaching consequences K.M. Munshi and Lalji Naranji = Resigned from membership of Bombay Legislative Council The story of Bardoli = Mahadev Desai	Bardoli, Surat, Gujarat = Lord Irwin	Sardar Vallabhbhai Patel	○ Associates: Mahatma Gandhi, Mehta Brothers (Kalyanji and Kunvarji), Dayalji Desai, Keshavji Ganesh, Narhari Parikh, Jagatram Dave ○ Kasturba Gandhi, Mithuben, Bhaktiba, Maniben Patel, Shardaben Shah, Sharda Mehta ○ Hali system (bonded labor) prevalent among Kaliparaj tribe of Surat (renamed Raniparaj by Gandhiji) ○ 30% increase in rent despite low cotton prices ○ Broomfield and Maxwell Committee = Land revenue rate reduced to 6.03% ○ Gandhiji and women of Bardoli = Conferred the title of Sardar on Vallabhbhai Patel

अखिल भारतीय किसान सभा (11 अप्रैल 1936)	लखनऊ अधिवेशन	स्वामी सहजानंद सरस्वती – प्रथम अध्यक्ष	○ प्रमुख नेता: एनजी रंगा (महासचिव), जेपी नारायण ○ नारा : किराया कम करो या बंद करो ○ कांग्रेस का 50वां सत्र : 1936 को फैज़पुर (जलगाँव, महाराष्ट्र)। गाँव में आयोजित होने वाला पहला कांग्रेस अधिवेशन। - अध्यक्ष: जवाहरलाल नेहरू

All India Kisan Sabha (11th April 1936)	Lucknow Session	Swami Sahajanand Saraswati - First President	○ Key Leaders: N.G. Ranga (General Secretary), J.P. Narayan ○ Slogan: Reduce rent or stop ○ 50th Session of Congress: 1936 at Faizpur (Jalgaon, Maharashtra). First Congress session held in a village. - President: Jawaharlal Nehru

तेभागा आंदोलन (1946–47)	बंगाल	कम्पाराम सिंह एवं भवन	○ “ते-भागा” = तीन भाग में से दो भाग किसान का (महिलाओं की बड़ी भागीदारी) ○ जमींदार बर्गादार से आधा हिस्सा (50%) ले लेते थे ○ फ्लूड कमीशन (1940) = बर्गादारों को 2/3 हिस्सा दिए जाने की सिफारिश ○ बर्गादारी अधिनियम, 1950 = बर्गादार का अर्थ है "बटाईदार" या "साझेदार" जो किसी और की ज़मीन पर खेती करता है। ○ पश्चिम बंगाल में "ऑपरेशन बर्गा" एक प्रमुख भूमि सुधार कार्यक्रम था

Tebhaga Movement (1946–47)	Bengal	Kamparam Singh and Bhavan	○ "Te-bhaga" = Two out of three parts for the peasant (large participation of women) ○ Zamindars used to take half share (50%) from bargadars ○ Floud Commission (1940) = Recommended giving 2/3 share to bargadars ○ Bargadari Act, 1950 = Bargadar means "sharecropper" or "partner" who cultivates someone else's land. ○ "Operation Barga" in West Bengal was a major land reform program

अध्याय 10 : ब्रिटिश काल में जनजाति आंदोलन

-: (1) *आर्थिक कारण* :-

1) खूंट कट्टी (सामूहिक कृषि) व **झूम कृषि** पर प्रतिबंध
2) दमनकारी भूराजस्व नीतियों
3) 1822 में परम्परागत मदिरा पर आबकारी शुल्क
4) आदिवासी वन अधिकारों की समाप्ति व वनोत्पाद पर कर
5) अनुबंध श्रमिक व बेगारी
6) ठेकेदारी, महाजनो द्वारा शोषण

-: (2) *राजनैतिक कारण* :-

1) आदिवासी कानूनों की समाप्ति
2) आदिवासी क्षेत्रों में पुलिस व सैन्य प्रशासन

-: (3) *सामाजिक हस्तक्षेप* :-

1) आदिवासी परंपरा में ब्रिटिश व दिकुओं का हस्तक्षेप
2) उड़ीसा की खोंड जनजाति में प्रचलित नरबलि प्रथा की समाप्ति

-: (4) *धार्मिक कारण* :-

1) 1813 के अधिनियम के द्वारा इसाई मिशनरी को धर्म प्रचार की अनुमति
2) ईसाई मिशनरी द्वारा बलपूर्वक धर्मांतरण
3) धार्मिक आदिवासी नेताओं (ओझा, मसीहा आदि) द्वारा प्रोत्साहन

Chapter 10 : Tribal Movements in British Period

-: (1) Economic Causes :-

1) Prohibition on Khuntkatti (collective agriculture) and Jhum cultivation
2) Oppressive land revenue policies
3) Excise duty imposed on traditional liquor in 1822
4) Termination of tribal forest rights and taxation on forest produce
5) Contract labor and forced labor (begari)
6) Exploitation by contractors and moneylenders

-: (2) Political Causes :-

1) Abolition of tribal laws
2) Police and military administration in tribal areas

-: (3) Social Intervention :-

1) British and outsiders' (dikus) interference in tribal traditions
2) Abolition of human sacrifice practice prevalent among the Khond tribe of Odisha

-: (4) Religious Causes :-

1) Permission granted to Christian missionaries for religious preaching through the Act of 1813
2) Forced religious conversion by Christian missionaries
3) Encouragement by religious tribal leaders (Ojha, Messiah, etc.)

प्रमुख जनजाति विद्रोह

1) पूर्वी भारत व बंगाल

A. कोल विद्रोह
B. संथाल विद्रोह
C. मुंडा विद्रोह
D. खासी विद्रोह
E. अहोम विद्रोह
F. उरांव विद्रोह
G. चुआर
H. नागा आंदोलन

2) पश्चिम भारत

A. रामोसी विद्रोह
B. भील विद्रोह
C. बिजौलिया

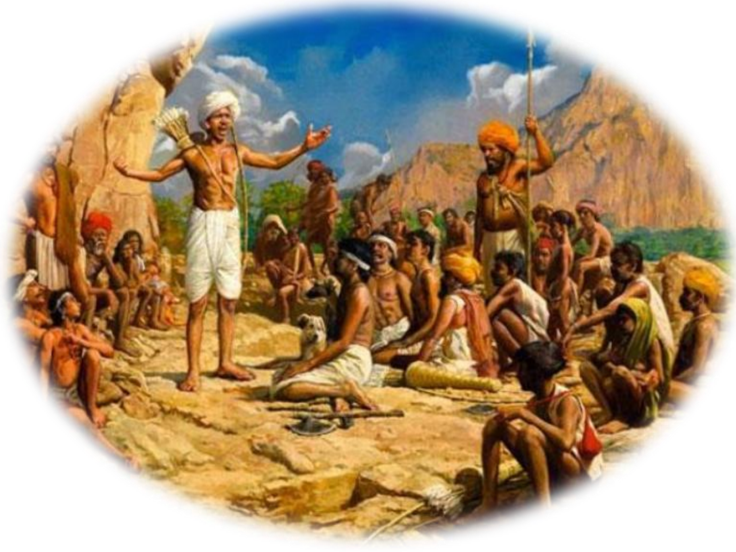

3) मध्य व दक्षिण भारत

A. वेलुपंथी विद्रोह
B. रम्पा विद्रोह
C. चेंचू विद्रोह
D. खोंड विद्रोह

Major Tribe Rebellion

East India and Bengal

- Kol rebellion
- Santhal rebellion
- Munda rebellion
- Khasi rebellion
- Ahom rebellion
- Oraon Rebellion
- Chuar
- Naga rebellion

West India

- Ramosi Rebellion
- Bhil rebellion
- Bijaulia

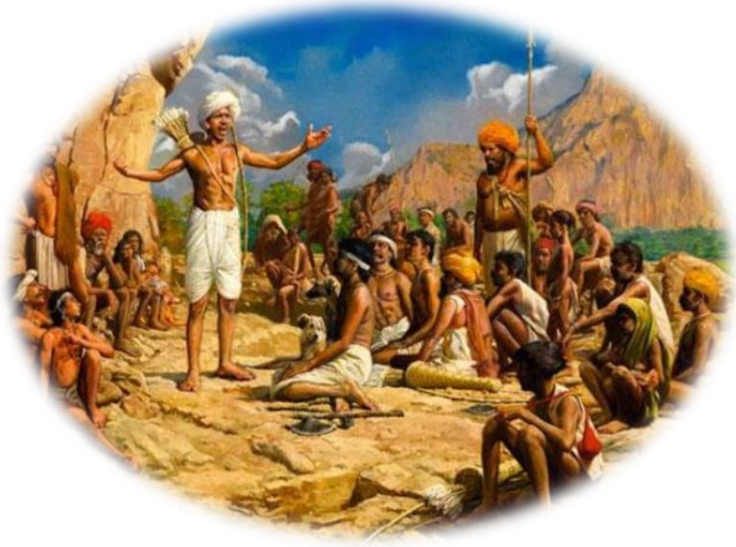

Central and South India

- Veluthampi rebellion
- Rampa rebellion
- Chenchu rebellion
- Khond Rebellion

आंदोलन	क्षेत्र	नेतृत्व	प्रमुख तथ्य
पहाड़िया विद्रोह (1778)	राजमहल पहाड़ी (झारखण्ड)	-	○ राजमहल क्षेत्र में दामिन-ए कोह भूमि का एक बड़ा क्षेत्र था जिसे संथालों की भूमि घोषित किया गया था। ○ दामिन-ए कोह - झारखंड (साहेबगंज, पाकुड़ और गोड्डा)
चुआड़ विद्रोह (1768-72)	मिदनापुर (पश्चिम बंगाल)	राजा बंशीधर	○ कारण = अकाल + बढ़ा हुआ भू-कर = छापामार युद्ध पद्धति

Movements	Region	Leadership	Key Facts
Paharia Rebellion (1778)	Rajmahal Hills (Jharkhand)	-	○ Damin-i-Koh was a large tract of land in the Rajmahal area which was declared as Santhals' territory. ○ Damin-i-Koh - Jharkhand (Sahebganj, Pakur and Godda)
Chuar Rebellion (1768-72)	Midnapore (West Bengal)	Raja Banshidhar	○ Cause = Famine + Increased land tax = Guerrilla warfare method

हो-मुंडा विद्रोह (1820-37)	सिंहभूम (झारखंड)	राजा वंशधर	○ कारण = राजस्व में बढ़ोत्तरी = गुरिल्ला पद्धति ○ पारंपरिक माणकी-मुंडा (ग्राम प्रधान) और थाकुराई प्रणाली में हस्तक्षेप
वाघेरा विद्रोह (1818-20)	बड़ौदा (गुजरात)	-	○ कारण = गायकवाड़ शासन द्वारा अत्यधिक कर-संग्रह

Ho-Munda Rebellion (1820-37)	Singhbhum (Jharkhand)	Tirat Singh	○ Cause = Revenue increase = Guerrilla warfare method ○ Interference in traditional Manki-Munda (village headman) and Thakurai system
Waghera Rebellion (1818-20)	Baroda (Gujarat)	-	○ Cause = Excessive tax collection by Gaekwad rule

खासी विद्रोह (1828-33)	खासी, मेघालय	तिरोत सिंह	○ कारण = असम-बंगाल (सिलहट) सड़क निर्माण को लेकर विवाद ○ तिरोत सिंह को ढाका निर्वासित कर दिया गया = उनकी मृत्यु 1835 में हुई।
कोल विद्रोह (1831-32) = जनजातियाँ : हो, मुंडा, उरांव, भूमिज, कोल	छोटा नागपुर, सिंहभूमि, झारखंड	बुद्धो भगत	○ कारण = भूमि छीन कर मुसलमान व सिख जैसे दिकू को प्रदान करना ○ मुंडा-मानकी व्यवस्था (स्थानीय स्वशासन प्रणाली) = मुंडा गाँव का मुखिया और मानकी 15 से 20 गाँवों का मुखिया।
Khasi Rebellion (1828-33)	Khasi, Meghalaya	Tirot Singh	○ Cause = Dispute over Assam-Bengal (Sylhet) road construction ○ Tirot Singh was exiled to Dhaka = He died in 1835.
Kol Rebellion (1831-32) = Tribes: Ho, Munda, Oraon, Bhumij, Kol	Chhota Nagpur, Singhbhumi, Jharkhand	Buddho Bhagat	○ Cause = Seizing land and granting it to outsiders (dikus) like Muslims and Sikhs ○ Munda-Manki system (local self-governance system) = Munda was the village headman and Manki was the headman of 15 to 20 villages.

खोंड विद्रोह (1837-56)	दक्षिण-पश्चिम ओडिशा (गंजाम, कंधमाल क्षेत्र)	चक्र बिसोइ + राधा कृष्ण दंड सेना	○ कारण = मरियान प्रथा (Human Sacrifice) पर ब्रिटिश रोक ○ गवर्नर-जनरल हार्डिंग प्रथम (1848) ○ कैप्टन Macpherson और Campbell ने दमन अभियान चलाया।

Khond Rebellion (1837-56)	South-west Odisha (Ganjam, Kandhamal region)	Chakra Bisoi + Radha Krishna Dandasena	○ Cause = British ban on Meriah Pratha (Human Sacrifice) ○ Governor-General Hardinge I (1848) ○ Captain Macpherson and Campbell conducted the suppression campaign.

संथाल हुल आंदोलन/ (1855-56) पुराना नाम = नारीखंड / 'काजंगला'	दमन ए कोह (संथालों के लिए विशेष रूप से अलग रखा गया इलाका = राजमहल, झारखण्ड)	सिद्धू, कान्हू, चांद एवं भैरव मुर्मू सबसे शक्तिशाली व महत्वपूर्ण आदिवासी विद्रोह	○ कारण :- स्थाई बंदोबस्त + दिकूओं द्वारा 50 से 500% तक ब्याज + आदिवासी भूमि पर गैर-आदिवासियों का कब्जा + पुलिस व्यवस्था ○ हुल दिवस (30 जून) = शंखनाद = झारखंड के भगनाडीह गाँव में ○ संथालों ने 1855 में मेजर बारो नामक अंग्रेज कमांडर को हराया था। ○ अगस्त 1855 में सिद्धू व फरवरी 1856 में कान्हू की गिरफ्तारी ○ 1856 = ब्राउन व मेजर लॉयड द्वारा विद्रोह का क्रूरतापूर्वक दमन ○ संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम 1876 : संथाल परगना में आदिवासी ज़मीन को गैर-आदिवासियों को बेचने पर रोक लगाता है ○ संथाल परगना का गठन (1855,उत्तर-पूर्वी झारखंड) = दुमका, देवघर, गोड्डा, पाकुड़, साहिबगंज और जामताड़ा।

Santhal Hul Movement / (1855-56) South-west Odisha (Ganjam, Kandhamal region)	Damin-i-Koh (Area specially reserved for Santhals = Rajmahal, Jharkhand)	Sidhu, Kanhu, Chand and Bhairav Murmu The most powerful and significant tribal rebellion	○ Causes: Permanent Settlement + 50 to 500% interest charged by dikus + Non-tribals' occupation of tribal land + Police system ○ Hul Diwas (30 June) = Conch shell declaration = In Bhagnadih village of Jharkhand ○ Santhals defeated the British commander Major Burrough in 1855. ○ Arrest of Sidhu in August 1855 and Kanhu in February 1856 ○ 1856 = Brutal suppression of the rebellion by Brown and Major Lloyd ○ Santhal Pargana Tenancy Act 1876 : Prohibits the sale of tribal land to non-tribals in Santhal Pargana ○ Formation of Santhal Pargana (1855, North-East Jharkhand) = Dumka, Deoghar, Godda, Pakur, Sahibganj and Jamtara.

सशस्त्र मुंडा विद्रोह (1899-1900) मुंडा/सरदारी/उलगुलान विद्रोह या महाविद्रोह	छोटा नागपुर (झारखण्ड)	बिरसा मुंडा	○ कारण :- अंग्रेजों द्वारा सामूहिक खेती (खूंटकट्टी / मुंडारी) पर प्रतिबंध ○ महाजनों का बढ़ता शोषण + शोषण मुक्त समाज व एकेश्वरवाद ○ 9 जनवरी, 1900 = झारखंड की डोम्बारी बुरु पहाड़ी नरसंहार ○ 3 फरवरी 1900 = सिंहभूमि (सेलरकैब पहाड़ी) से गिरफ्तार किया ○ 9 जून 1900 = हैजा के कारण रांची जेल में मृत्यु ○ 11 नवंबर 1908 = छोटा नागपुर काश्तकारी Act = गैर-आदिवासियों को भूमि के हस्तांतरण पर रोक + खूँटकट्टी को कानूनी मान्यता

Armed Munda Rebellion (1899-1900) Munda/Sardari/Ulgulan Rebellion or The Great Rebellion	Chhota Nagpur (Jharkhand)	Birsa Munda	○ Cause: British ban on collective farming (Khuntkatti / Mundari) ○ Growing exploitation by moneylenders + Exploitation-free society and monotheism ○ January 9, 1900 = Dombari Buru hill massacre in Jharkhand ○ February 3, 1900 = Arrested from Singhbhum (Sailarkab hill) ○ June 9, 1900 = Death in Ranchi jail due to cholera ○ November 11, 1908 = Chhota Nagpur Tenancy Act = Ban on land transfer to non-tribals + Legal recognition to Khuntkatti

चेंचू विद्रोह (1920)	नल्लमाला पहाड़ियाँ – आंध्र प्रदेश	सशस्त्र आदिवासी प्रतिरोध	○ कारण : अंग्रेजों ने शिकार, मधु-संग्रह, जंगल-उत्पाद एकत्रीकरण पर रोक लगा दी।

Chenchu Rebellion (1920)	Nallamala Hills - Andhra Pradesh	Armed tribal resistance	○ Cause: British imposed restrictions on hunting, honey collection, and forest produce gathering.

बिरसा मुण्डा (धरती अब्बा/जगत पिता) / Birsa Munda (Dharti Abba / Father of the world)

1) **जन्म –** 1875, लिहतु (रांची) / Birth– 1875, Lihtu (Ranchi)
2) **लोकप्रियता का आधार -** औषधीय व चिकित्सीय निपुणता / Base of popularity – Expertise medicinal and therapeutic
3) ईसाई बने फिर वैष्णव धर्म / Adopted christian then Vaishnavism
4) **एकेश्वरवाद** व नैतिक आचरण पर बल / Emphasis on Monotheism and Ethical Conduct
5) अपने समर्थकों को **सिंगबोंगा** की पूजा / Asked his supporters to worship Singbonga
6) 10 नवंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर को **जनजातीय गौरव दिवस** के रूप में घोषित करने को मंज़ूरी दी है। 15 नवंबर झारखंड राज्य का स्थापना दिवस भी है। / On November 10, 2021, Prime Minister Narendra Modi has approved the declaration of November 15 as Tribal Pride Day. 15 November is also the foundation day of Jharkhand state.

- **1899 में बिरसा मुंडा– "दिकुओं से हमारी लड़ाई होगी और उनके खून से जमीन इस तरह लाल होगी जैसे लाल झंडा" + महिलाओं की भागीदारी / Birsa Munda in 1899 – "We will fight the dikus, and their blood will make the land red like the red flag." + Women's participation**
- **ज़मीन के जबरन अधिग्रहण को रोकना / Preventing forced acquisition of land.**
- **छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 के तहत, एक खूंट-कटटीदार की महिला को पैतृक संपत्ति पर उत्तराधिकार के अधिकार से बाहर रखा गया है / Under the Chota Nagpur Tenancy Act, 1908, the woman of a khunt-kattidar is excluded from inheritance rights to ancestral property.**

बिरसा मुण्डा (धरती अब्बा/जगत पिता)

1) **जन्म** – 1875, लिहतु (रांची)
2) **लोकप्रियता का आधार -** औषधीय व चिकित्सीय निपुणता
3) ईसाई बने फिर वैष्णव धर्म
4) **एकेश्वरवाद** व नैतिक आचरण पर बल
5) अपने समर्थकों को **सिंगबोंगा** की पूजा
6) 10 नवंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर को **जनजातीय गौरव दिवस** के रूप में घोषित करने को मंज़ूरी दी है। 15 नवंबर झारखंड राज्य का स्थापना दिवस भी है।

- **1899 में बिरसा मुंडा– "दिकुओं से हमारी लड़ाई होगी और उनके खून से जमीन इस तरह लाल होगी जैसे लाल झंडा" + महिलाओं की भागीदारी**
- **ज़मीन के जबरन अधिग्रहण को रोकना।**
- **छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 के तहत, एक खूंट-कटटीदार की महिला को पैतृक संपत्ति पर उत्तराधिकार के अधिकार से बाहर रखा गया है।**

Birsa Munda (Dharti Abba / Father of the world)

1) **Birth–** 1875, Lihtu (Ranchi)
2) **Base of popularity –** Expertise medicinal and therapeutic
3) Adopted christian then Vaishnavism
4) Emphasis on Monotheism and Ethical Conduct
5) Asked his supporters to worship Singbonga
6) On November 10, 2021, Prime Minister Narendra Modi has approved the declaration of November 15 as Tribal Pride Day. 15 November is also the foundation day of Jharkhand state.

- **Birsa Munda in 1899 – "We will fight the dikus, and their blood will make the land red like the red flag." + Women's participation**
- **Preventing forced acquisition of land.**
- **Under the Chota Nagpur Tenancy Act, 1908, the woman of a khunt-kattidar is excluded from inheritance rights to ancestral property.**

ताना भगत / उरांव आंदोलन (1914-1930)	झारखण्ड	जतरा भगत, बलराम भगत, गौ रक्षिणी भगत व देव मेनिया (महिला)	○ प्रकृति : धार्मिक–सामाजिक सुधार + ब्रिटिश-विरोधी आंदोलन ○ यह मूलतः गांधीवाद से प्रेरित अहिंसक व रचनात्मक आंदोलन था जो राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़ गया ○ 1922 में कांग्रेस के गया और 1923 के नागपुर सत्याग्रह में ○ 1940 = गांधी को सम्मान स्वरूप 400 रुपये की थैली भेंट की थी,
Tana Bhagat / Oraon Movement (1914-1930)	Jharkhand	Jatra Bhagat, Balram Bhagat, Gau Rakshini Bhagat and Dev Menia (woman)	○ Nature : Religious-social reform + Anti-British movement ○ It was essentially a non-violent and constructive movement inspired by Gandhism which became connected with the national movement ○ In Congress's Gaya session in 1922 and Nagpur Satyagraha of 1923 ○ 1940 = Presented a purse of 400 rupees to Gandhi as a mark of respect,

रम्पा विद्रोह / मान्यम विद्रोह (1879 व 1922)	आंध्रप्रदेश	राजू रम्पा (1879) तथा अल्लूरी सीताराम राजू (मान्यम वीरुडु - 1922)	○ गोंड, कोंडा, कोरा, और चेंचू जैसे आदिवासी समुदायों ○ पारंपरिक झूम खेती (पोडू) पर प्रतिबंध और वनों के उपयोग को नियंत्रित किया। ○ अल्लूरी सीताराम राजू (गैर आदिवासी) :- गांधी जी की अहिंसावादी विचारधारा से प्रभावित किंतु गुरिल्ला युद्ध प्रणाली को अपनाया
Rampa Rebellion / Manyam Rebellion (1879 and 1922)	Andhra Pradesh	Raju Rampa (1879) and Alluri Sitarama Raju (Manyam Veerudu - 1922)	○ Tribal communities like Gond, Konda, Kora, and Chenchu ○ Ban on traditional Jhum cultivation (Podu) and regulated forest use. ○ Alluri Sitarama Raju (non-tribal): Influenced by Gandhi's non-violent ideology but adopted guerrilla warfare tactics

नागा या जियारलांग आंदोलन	मणिपुर व नागालैंड	रोगमेई जदोनांग तथा रानी गैडिनल्यू	○ मुख्य उद्देश्य : ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ना और रूढ़िवादिता तथा अतार्किक रीति-रिवाजों को समाप्त करना था। ○ 29 अगस्त, 1931 = जदोनांग को फांसी। ○ नेतृत्व 17 वर्षीय गाइदिन्ल्यू नामक नागा बालिका ने संभाला। ○ 1937 में जेल में जवाहरलाल नेहरू से मुलाकात के दौरान उन्हें ‘रानी’ की उपाधि दी गई। ○ स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण सम्मान से नवाजा।

Naga or Zeliangrong Movement	Manipur and Nagaland	Rani Gaidinliu and Haipou Jadonang	○ Main objective: To fight against British colonial rule and eliminate orthodoxy and irrational customs. ○ August 29, 1931 = Jadonang was hanged. ○ Leadership was taken over by a 17-year-old Naga girl named Gaidinliu. ○ During her meeting with Jawaharlal Nehru in prison in 1937, she was given the title of 'Rani'. ○ After independence, the Government of India honored her with the Padma Bhushan award.

रामोसी विद्रोह (1822-1841)	पश्चिमी महाराष्ट्र	तानाजी मालुसरे,	○ रामोसी – महाराष्ट्र की एक पारंपरिक योद्धा और आदिवासी जाति। ○ चित्तर सिंह, उमा सिंह एवं नरसिंह दत्तात्रेय पंतकर

Ramoshi Rebellion (1822-1841)	Western Maharashtr	Tanaji Malusare,	○ Ramoshi - A traditional warrior and tribal caste of Maharashtra. ○ Chittar Singh, Uma Singh and Narasimha Dattatreya Pantkar

प्रमुख नागरिक आंदोलन / Major Civil Movements

आन्दोलन	स्थान	नेता	प्रमुख तथ्य
1. संन्यासी विद्रोह	बंगाल (1770-1820)	**शैवपंथी नागा संन्यासी, भावानी पांडे, गंगाराम, देवी चौधुरानी**	○ अकाल व तीर्थ यात्रा (हिंदू + मुस्लिम) नियंत्रण ○ बंकिमचन्द्र चटर्जी = **'आनन्दमठ' एवं 'देवी चौधरानी'** ○ समर्थन : वियोजित सैनिकों और जमींदार ○ वारेन हेस्टिंग्स ने लम्बे अभियान के बाद

Movement	Place	Leader	Key Facts
1. Sannyasi Rebellion	Bengal (1770-1820)	**Shaivite Naga Sannyasis, Bhawani Pandey, Gangaram, Devi Chaudhurani**	○ Famine and control on pilgrimage (Hindu + Muslim) ○ Bankim Chandra Chatterjee = 'Anandamath' and 'Devi Chaudhurani' ○ Support: Disbanded soldiers and landlords ○ Warren Hastings after a long campaign

2. फकीर विद्रोह	दीनाजपुर, रंगपुर और मालदा, बंगाल (1776-77)	**मदारी समुदाय के मुखिया मजनू शाह**	देवी चौधरानी तथा भवानी पाठक ने भी फकीर विद्रोह में चिराग अली शाह का सहयोग किया।
3. फैराजी विद्रोह	बंगाल (1804-51)	**हाजी शरीयतुल्ला + दूदू मियाँ**	○ उद्देश्य = मुस्लिम समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर ○ रेड रिपब्लिकन्स = वहाबी आन्दोलन का सहयोग
2. Fakir Rebellion	Dinajpur, Rangpur and Malda, Bengal (1776-77)	**Majnu Shah, head of the Madari community**	Devi Chaudhurani and Bhawani Pathak also supported Chirag Ali Shah in the Fakir Rebellion.
3. Faraizi Rebellion	Bengal (1804-51)	**Haji Shariatullah + Dudu Miyan**	○ Objective = To remove evils prevalent in Muslim society ○ Red Republicans = Supported the Wahabi movement

आन्दोलन	स्थान	नेता	प्रमुख तथ्य
5. वेलुथंपी विद्रोह (1808-09)	त्रावनकोर (केरल)	**दीवान वेलुथंपी**	○ वेलेजली ने त्रावनकोर (केरल) के महाराजा को सहायक संधि करने को विवश किया ○ वेलुथम्पी (नायर सेना) त्रावनकोर राज्य का दीवान था। वेलुथम्पी लड़ता हुआ मारा गया। मरने के बाद भी अंग्रेजों ने वेलुथम्पी को सार्वजनिक रूप से फाँसी पर लटकाया।
6. किट्टूरचेन्नमा (1824-29)	किट्टूर (कर्नाटक)	**रानी चेन्नमा , रामप्पा**	○ 1824 ई. में किट्टूर के शासक शिवलिंग रूद्र की मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने उसके गोद लिए हुए पुत्र को उत्तराधिकारी मानने से मना कर दिया। ○ उसकी विधवा रानी चेन्नमा ने रामप्पा की सहायता से विद्रोह किया।

Movement	Place	Leader	Key Facts
5. Velu Thampi Rebellion (1808-09)	Travancore (Kerala)	**Diwan Velu Thampi**	○ Wellesley forced the Maharaja of Travancore (Kerala) to sign a subsidiary alliance ○ Velu Thampi (Nair army) was the Diwan of Travancore state. Velu Thampi died fighting. Even after death, the British publicly hanged Velu
6. Kittur Chennamma (1824-29)	Kittur (Karnataka)	**Rani Chennamma, Ramappa**	○ In 1824, after the death of Kittur ruler Shivalinga Rudra, the British refused to recognize his adopted son as heir. ○ His widow Rani Chennamma rebelled with the help of Ramappa.

प्रमुख नागरिक आंदोलन

आन्दोलन	स्थान	नेता	प्रमुख तथ्य
1. संन्यासी विद्रोह	बंगाल (1770-1820)	**शैवपंथी नागा संन्यासी, भावानी पांडे, गंगाराम, देवी चौधुरानी**	○ अकाल व तीर्थ यात्रा (हिंदू + मुस्लिम) नियंत्रण ○ बंकिमचन्द्र चटर्जी = **'आनन्दमठ' एवं 'देवी चौधरानी'** ○ समर्थन : वियोजित सैनिकों और जमींदार ○ वारेन हेस्टिंग्स ने लम्बे अभियान के बाद
2. फकीर विद्रोह	दीनाजपुर, रंगपुर और मालदा, बंगाल (1776-77)	**मदारी समुदाय के मुखिया मजनू शाह**	देवी चौधरानी तथा भवानी पाठक ने भी फकीर विद्रोह में चिराग अली शाह का सहयोग किया।
3. फैराजी विद्रोह	बंगाल (1804-51)	**हाजी शरीयतुल्ला + दूदू मियाँ**	○ उद्देश्य = मुस्लिम समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर ○ रेड रिपब्लिकन्स = वहाबी आन्दोलन का सहयोग

Major Civil Movements

Movement	Place	Leader	Key Facts
1. Sannyasi Rebellion	Bengal (1770-1820)	**Shaivite Naga Sannyasis, Bhawani Pandey, Gangaram, Devi Chaudhurani**	○ Famine and control on pilgrimage (Hindu + Muslim) ○ Bankim Chandra Chatterjee = 'Anandamath' and 'Devi Chaudhurani' ○ Support: Disbanded soldiers and landlords ○ Warren Hastings after a long campaign
2. Fakir Rebellion	Dinajpur, Rangpur and Malda, Bengal (1776-77)	**Majnu Shah, head of the Madari community**	Devi Chaudhurani and Bhawani Pathak also supported Chirag Ali Shah in the Fakir Rebellion.
3. Faraizi Rebellion	Bengal (1804-51)	**Haji Shariatullah + Dudu Miyan**	○ Objective = To remove evils prevalent in Muslim society ○ Red Republicans = Supported the Wahabi movement

आन्दोलन	स्थान	नेता	प्रमुख तथ्य
5. वेलुथंपी विद्रोह (1808-09)	त्रावनकोर (केरल)	**दीवान वेलुथंपी**	○ वेलेजली ने त्रावनकोर (केरल) के महाराजा को सहायक संधि करने को विवश किया ○ वेलुथम्पी (नायर सेना) त्रावनकोर राज्य का दीवान था। वेलुथम्पी लड़ता हुआ मारा गया। मरने के बाद भी अंग्रेजों ने वेलुथम्पी को सार्वजनिक रूप से फाँसी पर लटकाया।
6. किट्टूरचेन्नमा (1824-29)	किट्टूर (कर्नाटक)	**रानी चेन्नमा , रामप्पा**	○ 1824 ई. में किट्ट्टूर के शासक शिवलिंग रूद्र की मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने उसके गोद लिए हुए पुत्र को उत्तराधिकारी मानने से मना कर दिया। ○ उसकी विधवा रानी चेन्नमा ने रामप्पा की सहायता से विद्रोह किया।

Movement	Place	Leader	Key Facts
5. Velu Thampi Rebellion (1808-09)	Travancore (Kerala)	**Diwan Velu Thampi**	○ Wellesley forced the Maharaja of Travancore (Kerala) to sign a subsidiary alliance ○ Velu Thampi (Nair army) was the Diwan of Travancore state. Velu Thampi died fighting. Even after death, the British publicly hanged Velu
6. Kittur Chennamma (1824-29)	Kittur (Karnataka)	**Rani Chennamma, Ramappa**	○ In 1824, after the death of Kittur ruler Shivalinga Rudra, the British refused to recognize his adopted son as heir. ○ His widow Rani Chennamma rebelled with the help of Ramappa.

Tribal Movement In India

भारत में जनजातीय आन्दोलन / विद्रोह

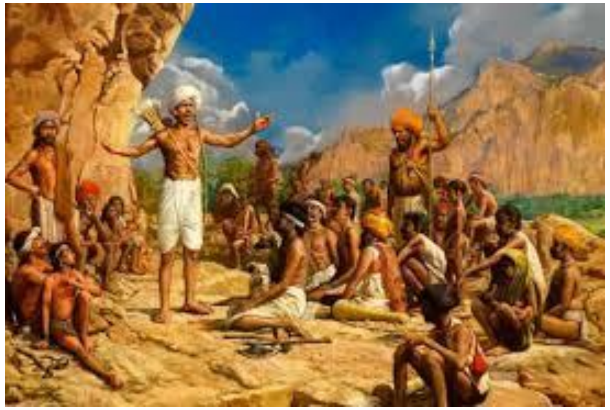

Question

Where was the main center of the Sanyasi rebellion that started in 1770 AD?

1770 ई० में प्रारम्भ हुए संन्यासी विद्रोह का मुख्य केन्द्र कहाँ था?

[RRB NTPC 2020]

(a) Bengal (बंगाल)

(b) Bihar (बिहार)

(c) Assam (असम)

(d) Manipur (मणिपुर)

ANSWER (a)

Question

Who was the leader of ‘Santhal Rebellion’?
‘संथाल विद्रोह’ का नेता कौन था?

[RRB NTPC 2021, BPSC (Pre) 2021, 2022, SSC MTS 2023, MPSC (Pre) 2023, SSC CGL (T-1) 2020]

(a) Sidhu and Kanhu (सिद्धू और कान्हू)

(b) Gaurakshini Bhagat and Keshab Chandra Rai (गौरक्षिणी भगत और केशव चन्द्र राय)

(c) Shambhunath Pal and Kora Malaya (शम्भूनाथ पाल और कोरा मलाया)

(d) Jara Bhagat and Balram Bhagat (जारा भगत और बलराम भगत)

ANSWER (a)

Question

Damin-i-Koh was created by the British Government to settle which of the following communities?

दामिन-ए-कोह का निर्माण ब्रिटिश सरकार ने निम्नलिखित में से किस समुदाय को बसाने के लिए किया था?

[CDS 2018, 2019]

(a) Santhal (संथाल)

(b) Munda (मुंडा)

(c) Oraons (Oraon) (उरांव)

(d) Saoras (Sora) (सौरा)

ANSWER (a)

Question

In the context of the history of India, which of the following events is called ‘Ulgulan’ or ‘Great tumult’?

भारत के इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित में से किस घटना को ‘उलगुलान’ या ‘महान हलचल’ कहा जाता है?

(a) Revolt of 1857 (1857 का विद्रोह)

(b) Moplah Rebellion of 1921 (1921 का मोपला विद्रोह)

(c) Indigo Rebellion of 1859–60 (1859–60 का नील विद्रोह)

(d) Birsa Munda’s Revolt of 1899–1900 (1899–1900 का बिरसा मुंडा विद्रोह)

ANSWER (d)

Question

In which region did the Kol rebellion take place under the leadership of Budho Bhagat in 1831 AD?

1831 ई० में बुधो भगत के नेतृत्व में कोल विद्रोह किस क्षेत्र में हुआ था?

[BPSC (Pre) 2020]

(a) Kutch (कच्छ)
(b) Singhbhum (सिंहभूम)
(c) Western Ghats (पश्चिमी घाट)
(d) Satara (सतारा)

ANSWER (b)

Question

Who led the Paika rebellion (1817–1825 AD) started by the Paik tribe of Khurda district of Orissa?

उड़ीसा के खुर्दा जिले की पाइका जाति द्वारा प्रारम्भ पाइका विद्रोह (1817–1825 ई०) का नेतृत्व किसने किया?

(a) Raja Pratap Singh (राजा प्रताप सिंह)
(b) Bakshi Jagabandhu (बख्शी जगबंधु)
(c) Chittar Singh (चित्तर सिंह)
(d) Musa Shah (मूसा शाह)

ANSWER (b)

Question

Which of the following pairs is not matched?

निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

(a) Faraji Movement – Bengal (फरायजी आन्दोलन – बंगाल)

(b) Moplah Rebellion – Malabar (मोपला विद्रोह – मालाबार)

(c) Kuka Movement – Assam (कूका आन्दोलन – असम)

(d) Poligar Mutiny – Tirunelveli (पालीगर विद्रोह – तिरुनेलवेली)

[Delhi Police 2020]

ANSWER (c)

Question

Which of the following pairs is not correctly matched?

निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) Santhal – 1855 (संथाल – 1855)

(b) Kol – 1831 (कोल – 1831)

(c) Khasi – 1829 (खासी – 1829)

(d) Ahom – 1815 (अहोम – 1815)

[Delhi Police 2020]

ANSWER (d)

Question

[Delhi Police 2020]

Match List I with List II:

सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:

List I	List II
A. Titu Shan (टीटू शान) `	1. Banaras Rebellion (बनारस विद्रोह)
B. Dadu Mian (दादू मियाँ)	2. Faraizi Movement (फरायजी आन्दोलन)
C. Chait Singh (चैत सिंह)	3. Tariqah-e-Muhammadiya (तरीक़ा-ए-मुहम्मदिया)
D. Titu Mir (टीटू मीर)	4. Pagalpanthi Rebellion (पागलपंथी विद्रोह)

Codes:

(a) 1 2 3 4

(b) 3 1 4 2

(c) 4 2 1 3

(d) 2 3 1 4

ANSWER (c)

Question

After the Santhal Uprisings subsided, what was/were the measure/measures taken by the colonial government?

संथाल विद्रोह शांत होने के बाद औपनिवेशिक सरकार द्वारा कौन-सा/से कदम उठाया/उठाए गए?

[IAS Prelims 2018]

1. The territories called 'Santhal Parganas' were created.

'संथाल परगना' नामक क्षेत्र का निर्माण किया गया।

2. It became illegal for a Santhal to transfer land to a non-Santhal.

किसी संथाल द्वारा गैर-संथाल को भूमि हस्तांतरित करना अवैध बना दिया गया।

Select the correct answer using the codes given below:

नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) Only 1 (केवल 1)

(b) Only 2 (केवल 2)

(c) Both 1 and 2 (1 और 2 दोनों)

(d) Neither 1 nor 2 (न तो 1, न ही 2)

ANSWER (c)

Question

In which year did the Moplah Rebellion take place?

मोपला विद्रोह किस वर्ष हुआ था?

[RRB NTPC 2020–21]

(a) 1917–1919

(b) 1923–1924

(c) 1921–1922

(d) 1914–1915

ANSWER (c)

Question

Chronologically which of the following events happened last?

कालक्रमानुसार निम्नलिखित में से कौन-सी घटना सबसे बाद में हुई?

(a) Moplah Rebellion (मोपला विद्रोह)

(b) Khilafat Movement (खिलाफत आन्दोलन)

(c) Home Rule Movement (होम रूल आन्दोलन)

(d) Jallianwala Bagh Massacre (जलियांवाला बाग हत्याकांड)

[UPPSC Prelims 2023]

ANSWER (a)

Question

Due to which of the following reasons, Indigo cultivation declined in India in the beginning of the twentieth century?

बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में भारत में नील की खेती निम्नलिखित में से किस कारण घट गई?

(a) Protest of cultivators against the tyrannical conduct of indigo growers

(नील उत्पादकों के अत्याचारी व्यवहार के विरुद्ध किसानों का विरोध)

(b) It is uneconomical in the world market due to new discoveries

(नए आविष्कारों के कारण विश्व बाजार में यह अलाभकारी हो गया)

(c) Indigo cultivation opposed by national leaders

(राष्ट्रीय नेताओं द्वारा नील खेती का विरोध)

(d) Government's control over producers

(उत्पादकों पर सरकार का नियंत्रण)

[IAS Prelims 2020]

ANSWER (b)

Question

Who provided leadership to Bardoli Satyagraha?

बारडोली सत्याग्रह का नेतृत्व किसने किया?

(a) Vallabhbhai Patel (वल्लभभाई पटेल)

(b) Indulal Yagnik (इन्दुलाल याज्ञिक)

(c) Mahatma Gandhi (महात्मा गांधी)

(d) Swami Sahajanand Saraswati (स्वामी सहजानन्द सरस्वती)

[IAS Prelims 2022, RRB NTPC 2021]

ANSWER (a)

Question

Consider the following statements:
निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

[CGPSC (Pre) 2022]

1. In July 1952, JB Kripalani formed the Kisan Mazdoor Praja Party.
जुलाई 1952 में जे०बी० कृपलानी ने किसान मजदूर प्रजा पार्टी का गठन किया।

2. PC Ghosh and T Prakasam were associated with the Kisan Mazdoor Praja Party.
पी०सी० घोष और टी० प्रकाशम किसान मजदूर प्रजा पार्टी से जुड़े थे।

Codes / कूट:

(a) Statement 1 is correct, but 2 is incorrect (कथन 1 सही है, परन्तु 2 गलत है)
(b) Statement 1 is incorrect, but 2 is correct (कथन 1 गलत है, परन्तु 2 सही है)
(c) Both statements 1 and 2 are correct (कथन 1 और 2 दोनों सही हैं)
(d) Both statements 1 and 2 are incorrect (कथन 1 और 2 दोनों गलत हैं)

ANSWER (b)

Question

[UPPSC (Pre) 2022]

Match List I with List II:

सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:

List I (Trade Unions)	List II (Party Affiliation)
A. Bharatiya Mazdoor Sangh	1. Indian National Congress
B. Indian National Trade Union Congress	2. Communist Party of India
C. United Trade Union Congress	3. Communist Party of India (Marxist)
D. All India Trade Union Congress	4. Bharatiya Janata Party

Codes:

(a) 4 1 3 2

(b) 3 2 1 4

(c) 1 3 2 4

(d) 2 4 3 1

ANSWER (a)

Question

Who among the following was sent by the Government of India as workers' representative to the Washington Conference of ILO in the year 1919?

1919 में ILO के वाशिंगटन सम्मेलन में भारत सरकार द्वारा श्रमिक प्रतिनिधि के रूप में किसे भेजा गया था?

[UPPSC (Pre) 2020]

(a) VP Wadia

(b) NM Joshi

(c) CF Andrews

(d) Joseph Baptist

ANSWER (b)

Question

______ was the First President of All India Trade Union Congress.

______ अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष थे।

[SSC CPO 2022, UKPSC (Pre) 2022]

(a) C Rajagopalachari

(b) Lala Lajpat Rai

(c) Chandrashekhar Azad

(d) Motilal Nehru

ANSWER (b)

Question

Statement I: The farmers manifesto passed by the All India Kisan Sabha in August, 1936 contained radical demands.

कथन I: अगस्त 1936 में अखिल भारतीय किसान सभा द्वारा पारित किसान घोषणापत्र में उग्र मांगें थीं।

Statement II: The All India Kisan Sabha was a part of the Congress and maintained close relations with the Provincial Congress Committees.

कथन II: अखिल भारतीय किसान सभा कांग्रेस का भाग थी और प्रांतीय कांग्रेस समितियों से निकट संबंध रखती थी।

Codes:

(a) Both the statements are true separately and Statement II is the correct explanation of Statement I.

(b) Both the Statements are true separately, but Statement II is not the correct explanation of Statement I.

(c) Statement I is true, but Statement II is false.

(d) Statement I is false, but Statement II is true.

[NDA 2019]

ANSWER (a)

Question

"A monk who, after working as an indentured labourer in Fiji, brought a copy of Tulsidas' Ramayana on his back to that district, with which he used to recite verses to rural audiences". The farmer leader described here is:
"एक साधु जिसने फिजी में गिरमिटिया मजदूर के रूप में कार्य करने के बाद तुलसीदास की रामायण की प्रति अपनी पीठ पर उस जिले में लाई, जिससे वह ग्रामीण जनता को दोहे सुनाया करता था।" यहाँ वर्णित किसान नेता कौन है?

[BPSC (Pre) 2023]

(a) Baba Ramchandra (बाबा रामचन्द्र)
(b) Jhinguri Singh (झिंगुरी सिंह)
(c) Yadunandan Sharma (यदुनन्दन शर्मा)
(d) More than one of the above (उपरोक्त में एक से अधिक)

ANSWER (a)

Question

Sidhu and Kanhu were leaders of which of the following tribal rebellions?

सिद्धू और कान्हू निम्नलिखित में से किस जनजातीय विद्रोह के नेता थे?

SSC CGL 2024

(a) Moplah Rebellion (मोपला विद्रोह)
(b) Santhal Rebellion (संथाल विद्रोह)
(c) Kol Rebellion (कोल विद्रोह)
(d) Munda Rebellion (मुंडा विद्रोह)

ANSWER (b)

Question

Moplahs, or Muslims peasants, created powerful anti-zamindar movement in:

मोपला अथवा मुस्लिम कृषकों ने शक्तिशाली जमींदार-विरोधी आन्दोलन कहाँ चलाया?

SSC CGL 2023

(a) Tamil Nadu (तमिलनाडु)
(b) Bengal (बंगाल)
(c) Kerala (केरल)
(d) Uttar Pradesh (उत्तर प्रदेश)

ANSWER (c)

Question

Who among the following formed the Bihar Provincial Kisan Sabha in 1929?

निम्नलिखित में से किसने 1929 में बिहार प्रांतीय किसान सभा की स्थापना की?

SSC CGL 2024

(a) Kunwar Singh (कुँवर सिंह)
(b) JM Sengupta (जे०एम० सेनगुप्ता)
(c) Jayprakash Narayan (जयप्रकाश नारायण)
(d) Swami Sahajanand Saraswati (स्वामी सहजानन्द सरस्वती)

ANSWER (d)

Question

Who was the first President of the All India Kisan Sabha?

अखिल भारतीय किसान सभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?

(RRB NTPC CBT)

(a) PC Joshi (पी० सी० जोशी)

(b) Swami Sahajanand Saraswati (स्वामी सहजानन्द सरस्वती)

(c) Acharya Narendra Dev (आचार्य नरेंद्र देव)

(d) Jai Prakash Narayan (जय प्रकाश नारायण)

ANSWER (b)

Question

When was the All India Trade Union Congress (AITUC) established?

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (AITUC) की स्थापना कब हुई थी?

(SSC CGL 2024)

(a) 1926

(b) 1924

(c) 1928

(d) 1920

ANSWER (d)

Question

In which of the following years was the first session of the All India Kisan Sabha held?

निम्नलिखित में से किस वर्ष अखिल भारतीय किसान सभा का प्रथम अधिवेशन आयोजित हुआ था?

(RPF SI 2024)

(a) 1947

(b) 1928

(c) 1936

(d) 1925

ANSWER (c)

Question

Bankim Chandra Chatterjee wrote the novel Anand Math based on which of the following rebellions/revolts?

बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय ने उपन्यास आनंद मठ निम्नलिखित में से किस विद्रोह/आन्दोलन पर आधारित लिखी थी?

(SSC CHSL 2024)

(a) Paika Rebellion (पाइका विद्रोह)

(b) Sanyasi Rebellion (संन्यासी विद्रोह)

(c) Kuki Revolt (कुकी विद्रोह)

(d) Mappila Rebellion (मप्पिला विद्रोह)

ANSWER (b)

Question

Who led the railway strike in 1974?

1974 में रेलवे हड़ताल का नेतृत्व किसने किया?

(a) J. P. Narayan (जे० पी० नारायण)
(b) S. P. Mukherjee (एस० पी० मुखर्जी)
(c) George Fernandes (जॉर्ज फर्नांडिस)
(d) Morarji Desai (मोरारजी देसाई)

(RRB NTPC CBT)

ANSWER (c)

Question

Who was the first general secretary of the All India Farmer's Congress?

अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के प्रथम महासचिव कौन थे?

(a) Acharya Narendra Dev (आचार्य नरेंद्र देव)

(b) Swami Sahjanand Saraswati (स्वामी सहजानन्द सरस्वती)

(c) Sardar Vallabhbhai Patel (सरदार वल्लभभाई पटेल)

(d) N.G. Ranga (एन० जी० रंगा)

(SSC CGL 2020)

ANSWER (d)